रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून....

राजा भोज का तालाब बुझा रहा है शहर के 40 प्रतिशत लोगों की प्यास

WORLD WATER DAY

सिटी रिपोर्टर • रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून। पानी गए न उबरे, मोती मानस चून.....। इन पंक्तियों से पानी के महत्व को समझा जा सकता है। जल ही जीवन है। इसके दुरुपयोग से बचना चाहिए। जल संरक्षण सभी का दायित्व है। अगर इसका संरक्षण नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। वर्तमान बदलते मौसम के चलते बरसात में कम हो रही है। जिसके चलते कुएं, तालाब व बावड़ी अब सूखने लगे हैं। जिनको बचाए रखना बेहद जरूरी है। ताकि वर्षा का जल भूमि में संचित हो सके। सेन्ट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड में निदेशक के पद से रिटायर हुए सीपी श्रीवास्तव बताते हैं कि 11वीं शताब्दी में राजा भोज ने पानी के महत्व को देखते हुए विशाल तालाब का निर्माण करवाया था। यह तालाब भोपाल के निवासियों के पीने के पानी का सबसे मुख्य स्रोत है। आज भी यह शहर की 40% जनसंख्या को पानी की आपूर्ति करता है। उनका कहना है की बड़ी झील का मुख्य स्रोत कोलार नदी है, जिसको इंट्रीग्रेटेड वॉटर शेड मैनेजमेंट प्रोग्राम के तहत उसके सहायक नालों के बेस फ्लो को बढ़ाया जा रहा है। जिससे तालाब को साफ पानी प्राप्त होगा।

रीजनल साइंस सेन्टर में विश्व जल दिवस के अवसर पर मंगलवार को सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सेमिनार में जल और रोजगार के अवसर विषय पर चर्चा की जाएगी।